Airo International Research Journal
Volume XII, ISSN: 2320-3714
December, 2017
Impact Factor 0.75 to 3.19
UGC Approval Number 63012

साहित्य को उकेरती महिला पत्रिकाएं

डॉ. ओमप्रकाश
एसोसिएट प्रोफेसर,
स्नातकोत्तर हिंदी विभाग
आर.क.एस.डी. कॉलेज, कैथल (हरियाणा)

साहित्य के नोबल पुरस्कार से सम्मानित गुरुवर रवीन्द्र नाथ टैगोर की बड़ी बहन स्वर्ण कुमारी देवी को भारत की प्रथम महिला संपादक होने का गौरव प्राप्त है। 'भारती' नामक पत्रिका का संपादन करने वाली स्वर्ण कुमारी न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी थी अपितु कवयित्री, उपन्यासकार एवं सामाजिक नेत्री भी थी।

आजादी से पूर्व भारतेन्दु हरिशचन्द्र ने 1 जून, 1874 को स्त्रियों के लिए 'बालबोधिनी' (वाराणसी) पत्रिका का प्रकाशन किया। प्रतापनारायण मिश्र ने 15 मार्च 1883 को 'ब्राह्मण' का प्रथम अंक निकाला। वर्ष 1923 में 'मनोरमा' (इलाहाबाद) नामक पत्रिका का प्रकाशन आरंभ हुआ, जिसे हिन्दी की एकमात्र महिला पत्रिका होने का गौरव प्राप्त है। 'मनोरमा' महिला जगत में अत्यन्त लोकप्रियता हासिल करने वाली पत्रिका थी। 'भारती' नामक पत्रिका का संपादन करने वाली स्वर्ण कुमारी देवी को भारत की पहली महिला संपादिका होने का गौरव प्राप्त है। यह गुरुवर रवीन्द्र नाथ टैगोर की बड़ी बहन तथा प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी भी थी। काव्य सर्जन के संस्कार उन्हें परिवार से ही मिले थे, उसी का परिणाम था कि वे एक महान् कवयित्री, उपन्यासकार एवं समाज सेविका थी। अखिल भारतीय महिला सम्मेलन तथा 'इंडियन वुमेंस एसोसिएशन' की संस्थापिका एवं अध्यक्ष मार्गरेट कर्जिस ने 'स्त्रीधर्म' तथा 'रोशनी' नामक पत्रिकाओं का संपादन किया। 'रोशनी' के माध्यम से उन्होंने भारतीय स्त्री में नेतृत्व क्षमता को जगाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। असहयोग आंदोलन के दौरान श्याम कुमारी नेहरू अंग्रेज सरकार द्वारा जब्त किए गए पत्र 'स्वराज' की हस्तलिखित प्रतियां तैयार कर गुप्त रुप से उनका वितरण करती रही। 1922 से पूर्व देशबंधु चितरंजन दास की पत्नी बसंती देवी 'बंगाले कथा' का संपादन करती रही। उर्मिला देवी शास्त्री ने लाहौर से 'जन्मभूमि' नामक दैनिक पत्र निकालना आरंभ किया। अपनी बेबाक संपादकीय टिप्पणियों के कारण उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। 1930 में 'हंस' के संपादकों में कथा समाट मुंशी प्रेमचन्द की पत्नी शिवरानी देवी का नाम आता है। सक्रिय पत्रकारिता के लिए सरला देवी चौधरी का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। 'भारती' पत्रिका में उनके विचार प्रधान लेख छपते थे। गांधी जी के विचारों को बंगला भाषा में | अनूदित कर वे 'भारती' के माध्यम से जनता तक पहुंचा रही थी। यह कर्मठ महिला 1920 के कांग्रेस अधिवेशन (बनारस) में 'वंदेमातरम्' गाने वाली पहली महिला थी। गोपाल कृष्ण गोखले के आग्रह पर इस गीत की प्रथम दो पंक्तियाँ की धुन गुरुवर रवीन्द्र नाथ टैगोर ने बनाई थी बाकी

Airo International Research Journal
Volume XII, ISSN: 2320-3714
December, 2017
Impact Factor 0.75 to 3.19
UGC Approval Number 63012

आयुर्वेदिक प्रश्नोत्तरी, हम किसी से कम नहीं, तब्बुसम के चुटकले। इसके अलावा फिल्म, टी0वी0, ब्यूटी, व्यंग्य साहित्य, सिलाई-कढ़ाई, बुनाई, गृहसज्जा, पर्यटन फैशन के अलावा आवरण कथा से सम्बन्धित अनेक आलेख प्रकाशित होते हैं। पत्रिका में महिलाओं के उपयोग से जुड़ी अनेक वस्तुओं के विज्ञापनों की भरमार होती है। वनिता महिला मासिक पत्रिका का प्रकाशन दिल्ली से होता है। नब्बे के दशक में इस पत्रिका का प्रकाशन शुरू हुआ। पत्रिका की मुख्य संपादिका प्रेमा माम्मन है। समन्वयक संपादक जयंती तथा उपसंपादक नीलम सीकंद तथा मीना पांडेय है। पत्रिका के स्थायी स्तंभों में तेरी मेरी बात, नटखट दुनियां, दिल तो पागल है, ब्यूटी कॉलम, कार्टून कोना, भविष्यफल आदि प्रमुख है। मधुरिमा झंडेवालान स्टेट नई दिल्ली से प्रकाशित पत्रिका है। पत्रिका के स्थायी स्तंभों में घर आंगन, पाठकों की समस्या-समाधान, वास्तु, लाईफ स्टाईल, दाम्पत्य, सौन्दर्य समस्याएं आदि विशेष है।

संदर्भ सूची

1. सूर्य प्रसाद दीक्षित, हिंदी पत्रकारिता कोश, पृष्ठ 386.